बाढ़ का मौसम

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-III (आपदा प्रबंधन) से संबंधित है।

द हिन्दू

12 नवम्बर, 2021

मानसून के संकट से बचने के लिए तमिलनाडु के शहरों को दीर्घकालिक समाधान की आवश्यकता है।

चेन्नई में जारी भारी बारिश ने एक बार फिर शहर की बदहाली को उजागर कर दिया गया है। समतल भूभाग वाले तटीय महानगर की बाढ़ की चपेट में आ गया है, और उत्तर पूर्व मानसून से निपटने के लिए सरकार की तैयारियों ने गम्भीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रविवार (7 नवंबर) के शुरुआती घंटों में, 21 सेमी की भारी बारिश के पहले दौर ने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। पिछले चार महीनों में लगभग 700 किमी तक चलने वाले नालों और जलमार्गों को साफ करने के बावजूद, बाढ़ की समस्या में कोई ठोस सुधार नहीं देखा गया। 2015 की दिसंबर में आई बाढ़ के दु:स्वपन्न आज भी चेन्नई की सीमाओं पर जलाशयों से अधिशेष पानी की रिहाई की निगरानी करने वाले अधिकारियों के मन में पुरानी भयावह मंजर की तस्वीरें ताजा देखी जा सकती हैं। अभी जब तक कि शहर सामान्य होने के लिए संघर्षरत था, तब तक बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दबाव बन गया, जो गुरुवार को चेन्नई के पास तट को पार कर गया। यह तो अच्छी बात हुई कि इस बार, शहर में बहुत भारी वर्षा नहीं हुई, लेकिन तांबरम और रेड हिल्स जैसे कई उपनगरों में 22 सेमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। पिछले चार दिनों में, राज्य के अन्य हिस्सों में भी मानसून की दस्तक हुई है। कावेरी डेल्टा के पिछड़े इलाकों में से एक नागपट्टनम में एक दिन में 31 सेंटीमीटर बारिश के बाद वहाँ का हाल बेहाल हो गया था।

समस्या की जड़ जल निकासी का मुद्दा है, चाहे चेन्नई में हो या नागपट्टिनम में। चेन्नई जैसे बड़े शहरी परिवेश में, खुली जगह का अतिक्रमण, नालियों और सीवर लाइनों के कवरेज के बीच की खाई, शहर के मुख्य क्षेत्रों में पुराने नालों और सीवर नेटवर्क, और अतिक्रमण या रुकावटें पानी के मुक्त प्रवाह में बाधा हैं और गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार हैं।

बकिंघम नहर सहित कई नहरों के अलावा, शहर में कुछ नदियाँ जैसे कूम और अड्यार भी हैं। इन सभी जलाशयों को यदि ठीक से बनाए रखा जाए, तो ये बहुत प्रभावी बाढ़ वाहक हो सकते हैं, जिससे कई आवासीय इलाकों को बाढ़ से बचाया जा सकता है। राज्य सरकार, जो कुछ एकीकृत तूफान जल निकासी परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रही है, को शहर की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के टिकाऊ समाधान की तलाश करनी चाहिए और उन्हें कम समय में क्रियान्वित करना चाहिए।

हालांकि सरकार राहत प्रदान करने में तेज़ी है और मामले में उसकी गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने रविवार से लगातार बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर समस्याओं का जायजा लिया। अक्सर अतीत में, गैर-मानसून अवधि के दौरान जलभराव का दीर्घकालिक समाधान खोजने में दिखाया गया दृढ़ संकल्प कम हो गया।

श्री स्टालिन, जो पहले चेन्नई के मेयर और स्थानीय प्रशासन मंत्री थे, अब अपने अनुभव का उपयोग में लाया जा सकते है। करने और शहर को दलदल से बाहर निकालने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। लोगों को भी यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त रूप से जिम्मेदार होना चाहिए कि जलाशयों और नालों को डंप में न बदल दिया जाए।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र. निम्नलिखित में से कौन सा शहर उत्तर-पूर्वी मानसून से अधिक वर्षा प्राप्त करता है?

(a) पुणे

(b) महाबलेश्वर

(c) चेन्नई

(d) तिरुवनंतपुरम

Expected Question (Prelims Exams)

Q. Which of the following city receives more rainfall from North-East Monsoon?

(a) Pune

(b) Mahabaleshwar

(c) Chennai

(d) Thiruvananthapuram

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. "शहरी बाढ़ चेन्नई जैसे बड़े महानगरों में प्राकृतिक और मानवीय आपदा के समन्वित रूप में बन चुकी है।" आपके अनुसार इसके समाधान के लिए क्या कदम उठाए जाने की आवश्यकता है? (250 शब्द)

Q. "Urban floods have become a combination of natural and human disaster in big metropolitan cities like Chennai." According to you, what steps need to be taken to solve it? (250 Words)

Committed To Excellence

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्त्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।